No. of Printed Pages : 2

MHD-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. दलित साहित्य आन्दोलन में अर्जुन डांगले के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 10

2. गुजराती दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर विचार कीजिए। 10

3. दलित साहित्य सम्बन्धी नामदेव ढसाल के विचारों को रेखांकित कीजिए। 10

4. 'जब मैंने जात छुपाई' कहानी में अभिव्यक्त जातिभेद की जटिलता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

P. T. O.

5. 'कवच' कहानी के बाल चरित्र 'गौन्या' के मानसिक द्वंद्व पर विचार कीजिए। 10

6. पंजाबी रचनाकार डॉ. गुरुचरण सिंह राओ के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। 10

7. " 'मशालची' दलित मुक्ति की राह को प्रशस्त करने वाली रचना है"। विवेचना कीजिए। 10

8. मराठी दलित आत्मकथा 'अधरमाशी' की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए। 10

9. " 'जीवन हमारा' दलित संस्कृति को उजागर करता है।" विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर **200** शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

    (क) 'माँ' कविता में अभिव्यक्त दलित स्त्री की कर्मठता

    (ख) 'बिच्छू' कहानी की शिल्प योजना

    (ग) 'मशालची' उपन्यास का उद्देश्य

    (घ) 'मोची की गंगा' कहानी का उद्देश्य